श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष - अभ्यास - २

जुलाई-२०१८
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. जैन श्रावक ..... को स्वीकारने वाला होता है ।
२. ज्ञान एवं दर्शन का जो उपयोग वो ..... कहलाता है ।
३. श्री नमिनाथ और नेमिनाथ प्रभु के अन्तर में श्री नंदिषेणजी नाम के महामुनि ..... के लिये पधारे ।
४. एक शेठ के मुँह से "नमो अरिहंताणं" यह पद सुना और उसे ..... हुआ ।
५. देवालय ..... शाखा पर है ।
६. कुछ सुगंध आ रही है ऐसा अव्यक्त ज्ञान वह ..... ।
७. गौतम स्वामी ..... आयुष्य धारण करने वाले थे ।
८. श्रावक से तो ..... की दया पाली नहीं जा सकती ।
९. भाष्य अथवा वाचिक जाप से भी ..... का फल अनेक गुना है ।
१०. शांब और प्रद्युम्न कुमार इस गिरिराज के ..... शिखर पर सिद्ध पद को प्राप्त किया ।
११. शिखरी पर्वत तथा हिरण्यवंत क्षेत्र ..... के साथ है ।
१२. कर्मो के उपन्यास क्रम में ..... पर वेदनीय कर्म रखा गया है ।
१३. मैं ..... को भूखा रखूगां नहीं ।
१४. यदि मैं किसी ..... से इन्हें भी जीत जाऊं तो मैं त्रिलोक में अद्वितीय विद्वान माना जाऊंगा ।
१५. भरत ऐरावत क्षेत्र में ..... श्रुत ज्ञान है ।
१६. जो सबेरे नवकार मंत्र का स्मरण करते यथा समय ..... न हो उसके बुद्धि, ऋद्धि और आयुष्य की हानि होती है ।
१७. सुनकर जो जाने वह ..... है ।
१८. साधु को संपूर्ण ..... की जीवदया है ।
१९. अजितनाथ, शांतिनाथ का ..... उपमा रहित है ।
२०. अर्थावग्रह, इहा, अपाय, धारणा ..... की अपेक्षा से छः छः प्रकार के होते हैं ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. मंत्राक्षर किससे परिपूर्ण होते हैं ?
२. जीवों को जोरदार प्रहार कर घायल करने से कौन सा अतिचार लगता है ?
३. कौनसी यात्रा के मार्ग में अजितनाथ शांतिनाथ की देरीयां आती हैं ?
४. जंबुवृक्ष पर रहने के निवास स्थान कहां है ?
५. प्रभु ने इन्द्रभूति को कैसी वाणी से बुलाया ?
६. महाविदेह क्षेत्र में कैसा श्रुत ज्ञान है ?
७. आर्तध्यान में लयलीन मन जाप द्वारा किसमें जुड जाता है ?
८. "मैं बिना छाने पानी का उपयोग नहीं करुंगा " ऐसा नियम कौन से व्रत पालन में आता है ।
९. इन्द्रभूति के संशयानुसार पाँच भूतो से उत्पन्न हुआ आत्मा किसमें नाश पाता है ?
१०. अजित-शांति स्तव की रचना कहाँ हुई है ?
११. आंख के इशारें से होते बोध को क्या कहते है ?
१२. साधक को ध्यान मार्ग में प्रवेश करवाने का सामर्थ्य कौन रखता है ?
१३. जंबुद्वीप के सोलह खंड किस क्षेत्र में आते है ?
१४. किसका अनुभव होता है तब जीव को रति-अरति, राग द्वेष आदि होता है ?
१५. श्रावक को कौन से पाँच बडे झूठ बोलने का नियम होता है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१) निसढे २) तत्थ ३) कितणं ४) सपडिवक्खा ५) दोवि ६) अत्थुग्गह ७) परकलत्रेषु ८) वंजण-वग्गह
९) गय १०) अहवा ११) हेमवई १२) ववगय १३) पंगुलाः १४) भत्त १५) साइअ १६) तव
१७) धिई १८) छ-हा १९) बीयपासेवि २०) माणसेहिं

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B
१) अभव्य	१) ध्वनि
२) चंद्र	२) दिशा
३) प्रासाद	३) पोरा
४) परिग्रह	४) अर्थावग्रह
५) शिवकुमार	५) पाप निवृत
६) अव्यक्तज्ञान	६) नवविध
७) द्वीइन्द्रिय	७) अमृत
८) आसन	८) अनादि अपर्यवसित
९) समुद्रमंथन	९) पूर्व शाखा
१०) शांतिनाथ	१०) उत्तर साधक

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. प्रतिपक्ष भेदों के बिना श्रुतज्ञान के भेद कितने ?
२. छकाय की विराधना से श्रावक की कितनी विश्वा दया कम हो जाती है ?
३. अभ्यासक्रम में अंगुली आवर्त जाप के कितने प्रकार बताये गये हैं ?
४. गौतमस्वामी कितनावे वर्ष में सर्वज्ञ बने ?
५. तीसरे भव में मोक्ष प्राप्त करने के लिये कितने नवकार गिनना चाहिये ?
६. हिमवंत क्षेत्र के खंडो का विस्तार कितने योजन है ?
७. मतिज्ञान के भेदो में मन द्वारा होने वाले ज्ञान के भेद कितने ?
८. मंत्रजाप के लिये कितने प्रकार के आसन में बैठना चाहिये ?
९. गिरिराज पर कृष्ण वासुदेव के पुत्रों ने कितने मुनिओं के साथ सिद्धपद पाया ?
१०. जंबुवृक्ष की ऊँचाई कितनी है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. तुम्हें यदि सद्गति पाना हो तो परपीडाओं में अपंग बनो ।
२. अजित शांति स्तव की रचना श्री नंदिघोषजी महामुनि ने तीर्थाधिराज पर की ।
३. अठारह प्रकार की लिपी और अक्षर के आकार संज्ञाक्षर जानना ।
४. यदि ये मेरे मन के संदेह को जाने तो मैं इन्हें सच्चा सर्वज्ञ मानुं ।
५. यह वृक्ष है या कोई मनुष्य ? ऐसी विचारणा वह चक्षुरिन्द्रिय अपाय ।
६. जंबुवृक्ष की क डाली चार योजन की है ।
७. समकित प्राप्ति के बाद के जो व्रत उन्हें अणुव्रत कहा जाता है ।
८. जिन्होने जीव अजीव के भावों को देखा है, ऐसे इन दोनों प्रभु की मैं स्तवना करता हूँ ।
९. मानस जाप से मन की एकाग्रता में अद्वितीय वृद्धी होती है ।
१०. उच्च-नीच गोत्र के उदय के कारण दान-लाभादि का उदय या विनाश होता है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. अशुभ कर्म का प्रवाह रुक जाता है और आत्मा ज्यादा से ज्यादा निर्मलता प्राप्त करता है ।
२. जगत के गुरु और शांति तथा ज्ञानादि गुणों के कर्ता इन दोनों जिनेश्वरो को मैं प्रणाम करता हूँ ।
३. दुर्व्यसनो से शिवकुमार ने सब धन खो दिया और वह निर्धन बन गया ।
४. किसी भी अपराध बिना के त्रस जीव को मार डालने की बुद्धि से नहीं मारना ।
५. यह गुलाब की सुगंध है या केवडे की ।
६. उनके पास किस तरह जाकर खडा रहूंगा ।
७. प्रातः उठने में विलंब हो जाय अतः कई कामों में कटौती करनी पडती है ।
८. दया धर्म का मूल है इसलिये तो सद्गति के इच्छुक साधक हिंसा से सदा भयभीत रहते हैं ।
९. सुनकर जो जाने वह श्रुतज्ञान है ।
१०. जंघाचारण लब्धि वगैरह अनेक लब्धियाँ उनके पास थी ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. श्रावक की दया सवा विश्वा किस तरह से ? २) सादि-अनादि तथा सपर्यवसित - अपर्यवसित श्रुत द्रव्य और भाव इन दो भेदों से समझाओ ? ३) नमस्कार महायंत्र के स्मरण का प्रभाव समझाओ ?
४. भरत क्षेत्र के साथ जुडे हुए प्रदेशों का विस्तार समझाओ ५) गौतम स्वामी का संक्षिप्त जीवन चरित्र ।

જવાબ પત્ર નીચે ના સરનામે મોકલશોજી
શત્રુંજય એકેડમી, શ્રી પદ્મપ્રભસ્વામી જૈન મંદિર, સ્ટેશન રોડ, ચાળીસગામ – ૪૨૪ ૧૦૧.
જી. જળગામ. મો. ૯૦૨૮૨૪૨૪૮૪
સાચા પરિણામ અને સાચા ઉત્તર માટે વેબ સાઈટ www.shatrunjayacademy.com